'दिल्ली में उनींदे'

मुख्य बिंदु (പ്രധാന പോയിന്റുകൾ)

- **लेखिका और विधा:** यह गगन गिल द्वारा लिखित एक संस्मरण है ।

  ഇത് ഗഗൻ ഗിൽ എഴുതിയ ഒരു സംസ്മരണമാണ് (ഓർമ്മക്കുറിപ്പ്).

- **राजा राम का परिचय:** राजा राम एक ऑटो ड्राइवर है जो दिल्ली में रहता है । वह शारीरिक रूप से बहुत कमजोर है, उसकी हड्डियाँ उभरी हुई हैं और वह बीमार दिखता है ।

  ഡൽഹിയിൽ താമസിക്കുന്ന രാജാ റാം എന്ന ഓട്ടോ ഡ്രൈവറെക്കുറിച്ചാണ് ഈ പാഠം. ശാരീരികമായി വളരെ അവശനായ അദ്ദേഹത്തിന്റെ അസ്ഥികൾ ഉന്തിനിൽക്കുന്നതും രോഗബാധിതനുമാണ്.

- **बेघर जीवन:** वह पिछले 14 वर्षों से दिल्ली की सड़कों पर रह रहा है । उसकी तीन फीट लंबी ऑटो की पिछली सीट ही उसका घर है ।

  കഴിഞ്ഞ 14 വർഷമായി അദ്ദേഹം ഡൽഹിയിലെ തെരുവുകളിലാണ് കഴിയുന്നത്. തന്റെ ഓട്ടോറിക്ഷയുടെ മൂന്ന് അടി നീളമുള്ള പിൻസീറ്റാണ് അദ്ദേഹത്തിന്റെ വീട്.

- **अल्प संपत्ति:** सीट के नीचे उसका एक बक्सा है, जिसमें एक कंबल, एक जोड़ी कपड़े और एक कटोरा है । वह सार्वजनिक शौचालयों और सड़कों के किनारे के नलों पर नहाता है ।

  സീറ്റിനടിയിലുള്ള ഒരു പെട്ടിയിൽ ഒരു കമ്പിളിയും ഒരു ജോടി വസ്ത്രവും ഒരു പാത്രവും മാത്രമാണ് അദ്ദേഹത്തിന്റെ സമ്പാദ്യം. പൊതുശൗചാലയങ്ങളിലും വഴിയോരത്തെ നളങ്ങളിലും (ടാപ്പ്) അദ്ദേഹം കുളിക്കുന്നു.

- **दिल्ली आने का कारण:** वह उत्तर प्रदेश के उन्नाव का रहने वाला है । गाँव में भुखमरी होने और घर ढह जाने के कारण वह पेट भरने के लिए दिल्ली आया था ।

  ഉത്തർപ്രദേശിലെ ഉന്നാവോ സ്വദേശിയായ അദ്ദേഹം പട്ടിണി കാരണവും വീട് തകർന്നുപോയതുകൊണ്ടുമാണ് വിശപ്പടക്കാൻ ഡൽഹിയിലെത്തിയത്.

- **लेखिका का उद्देश्य:** लेखिका अमेरिका के नेशनल पब्लिक रेडियो के लिए 'अन्न और भूख' श्रृंखला पर एक प्रोग्राम बना रही थी ।

  അമേരിക്കയിലെ നാഷണൽ പബ്ലിക് റേഡിയോയ്ക്ക് വേണ്ടി 'ഭക്ഷണവും വിശപ്പും' എന്ന പരമ്പരയിൽ ഒരു പ്രോഗ്രാം തയ്യാറാക്കുകയായിരുന്നു ലേഖിക.

- **राजा राम की विनम्रता:** जब वह लेखिका के घर आया, तो वह सोफ़ा गंदा न हो जाए इसलिए फर्श पर बैठ गया ।

ലേഖികയുടെ വീട്ടിലെത്തിയപ്പോൾ സോഫ അഴുക്കാകാതിരിക്കാൻ അദ്ദേഹം തറയിൽ ഇരുന്നു. ഇത് അദ്ദേഹത്തിന്റെ വിനയത്തെ കാണിക്കുന്നു.

- **जीवन का अर्थ:** उसके लिए एक अच्छा दिन वह है जब उसे दो वक्त की रोटी मिल जाए ।

  രണ്ട് നേരത്തെ ഭക്ഷണം ലഭിക്കുന്ന ദിവസമാണ് അദ്ദേഹത്തെ സംബന്ധിച്ച് ഏറ്റവും നല്ല ദിവസം.

- **दो अलग दुनिया:** लेखिका कहती है कि हम एक ही शहर में दो अलग मौसमों—'अन्न' और 'भूख'—में रहते हैं ।

  ഒരേ നഗരത്തിൽ തന്നെ 'ഭക്ഷണമെന്നും' 'വിശപ്പെന്നും' പറയുന്ന രണ്ട് വ്യത്യസ്ത സാഹചര്യങ്ങളിലാണ് നമ്മൾ ജീവിക്കുന്നതെന്ന് ലേഖിക നിരീക്ഷിക്കുന്നു.

Hindi Word	Meaning	Malayalam Translation
उनींदे	Sleepless	ഉറക്കമില്ലാത്ത
संस्मरण	Memoir	ഓർമ്മക്കുറിപ്പ്
सुनसान	Deserted	വിജനമായ
हड्डी	Bone	അസ്ഥി
सटीक	Accurate / Proper	കൃത്യമായ
दमघोंटू	Suffocating	ശ്വാസം മുട്ടിക്കുന്ന
मेहमान	Guest	അതിഥി
बेघर	Homeless	വീടില്ലാത്തവൻ
फ़ाका	Starvation	പട്ടിണി
कटोरा	Bowl	കിണ്ണം / പാത്രം
ढहना	To collapse / destroy	തകരുക / ഇടിയുക

Hindi Word	Meaning	Malayalam Translation
भुखमरी	Starvation / Famine	പട്ടിണി മരണം
पुश्तों में	For generations	തലമുറകളായി
गनीमत	Blessing / Good thing	ഭാഗ്യം / ആശ്വാസം
चारा	Alternative / Option	പോംവഴി
झिझकना	To hesitate	മടിക്കുക
अटपटापन	Awkwardness	വല്ലായ്മ / അസ്വസ്ഥത

One Mark Questions

1. **'दिल्ली में उनींदे' पाठ की विधा क्या है?** ഈ പാഠത്തിന്റെ സാഹിത്യവിഭാഗം ഏതാണ്?

   उत्तर: संस्मरण। ഓർമ്മക്കുറിപ്പ്

2. **मुख्य पात्र राजा राम कितने वर्षों से सड़क पर रह रहा है?** രാജാ റാം എത്ര വർഷമായി തെരുവിൽ കഴിയുന്നു?

   उत्तर: चौदह साल से। 14 വർഷമായി.

3. **राजा राम उत्तर प्रदेश के किस ज़िले का रहने वाला है?** രാജാ റാം യു.പി.യിലെ ഏത് ജില്ലക്കാരനാണ്?

   उत्तर: उन्नाव। ഉന്നാവോ.)

4. **राजा राम के बक्से में क्या-क्या चीज़ें थीं?** രാജാ റാമിന്റെ പെട്ടിയിൽ എന്തൊക്കെ ഉണ്ടായിരുന്നു?

   उत्तर: एक कम्बल, एक जोड़ी कपड़े और एक कटोरा। ഒരു കമ്പിളി, ഒരു ജോഡി വസ്ത്രം, ഒരു പാത്രം.)

5. **लेखिका के अनुसार शहर में कौन-से दो अलग 'मौसम' होते हैं?** നഗരത്തിലെ രണ്ട് വ്യത്യസ്ത സാഹചര്യങ്ങൾ ഏതാണ്?

   उत्तर: अन्न और भूख। ഭക്ഷണവും വിശപ്പും

6. **प्रश्न:** राजा राम के ऑटो चलाने से पहले वह क्या काम करता था? ഓട്ടോ ഓടിക്കുന്നതിന് മുമ്പ് രാജാ റാം എന്ത് ജോലിയാണ് ചെയ്തിരുന്നത്?

   उत्तर: आठ साल तक रिक्शा चलाता था। എട്ട് വർഷത്തോളം റിക്ഷ വലിച്ചിരുന്നു.

7. **प्रश्न:** राजा राम गाँव में क्या काम करता था? ഗ്രാമത്തിൽ രാജാ റാം എന്ത് ജോലിയാണ് ചെയ്തിരുന്നത്?

OXFORD

उत्तर: वह खेतों में मज़दूरी करता था और सिर पर बोझा ढोता था। പാടത്ത് പണിയെടുത്തും തലച്ചുമട് എടുത്തുമാണ് അദ്ദേഹം ജീവിച്ചിരുന്നത്

8. **प्रश्न:** राजा राम जब चौदह-पंद्रह बरस का था, तब उसके पिता के साथ क्या हुआ था? രാജാ റാമിന് പതിനാല്-പതിനഞ്ച് വയസ്സുള്ളപ്പോൾ പിതാവിന് എന്ത് സംഭവിച്ചു?

   उत्तर: उसके पिता अंधे हो गए थे। അദ്ദേഹത്തിന്റെ പിതാവിന് കാഴ്ച നഷ്ടപ്പെട്ടു.

9. **प्रश्न:** राजा राम को नींद 'असंभव' क्यों लगती है? है। രാജാ റാമിന് ഉറക്കം 'അസംഭവ്യം' ആയി തോന്നുന്നത് എന്തുകൊണ്ട്?

   उत्तर: क्योंकि उसे सड़क के शोर और असुरक्षा के बीच ऑटो में सोना पड़ता - തെരുവിലെ ശബ്ദങ്ങൾക്കും സുരക്ഷിതമല്ലാത്ത സാഹചര്യങ്ങൾക്കും ഇടയിൽ ഓട്ടോയിൽ കിടന്ന് ഉറങ്ങേണ്ടി വരുന്നതിനാൽ.

10. **प्रश्न:** राजा राम ने लेखिका से सरकार के बारे में क्या पूछा?

    उत्तर: "क्या उसके बाद सरकार मेरे लिए कुछ करेगी?" സർക്കാർ തന്നെക്കുറിച്ച് എന്തെങ്കിലും ചെയ്യുമോ എന്ന് രാജാ റാം ലേഖികയോട് ചോദിച്ചു.

11. **प्रश्न:** लेखिका किस श्रृंखला (Series) के लिए प्रोग्राम बना रही थी? ലേഖിക ഏത് പരമ്പരയ്ക്ക് വേണ്ടിയാണ് പ്രോഗ്രാം തയ്യാറാക്കിയത്?

    उत्तर: 'अन्न और भूख' श्रृंखला के लिए। - 'ഭക്ഷണവും വിശപ്പും' (അന്നവും വിശപ്പും).

12. **प्रश्न:** राजा राम दिल्ली के अलावा और किस शहर में काम की तलाश में गया था? ഡൽഹിക്ക് പുറമെ ഏത് നഗരത്തിലാണ് രാജാ റാം ജോലി അന്വേഷിച്ച് പോയത്?

    उत्तर: कानपुर। - കാൻപൂർ.

13. **प्रश्न:** राजा राम नहाने के लिए दिल्ली में अक्सर कहाँ जाता है? കുളിക്കുന്നതിനായി രാജാ റാം ഡൽഹിയിൽ സാധാരണ എവിടെയാണ് പോകാറുള്ളത്?

    उत्तर: पंचकुइयाँ रोड पर। - പഞ്ചകുയിയാ റോഡിൽ.

14. **प्रश्न:** सैंडी कौन था? സാൻഡി ആരായിരുന്നു?

    उत्तर: लेखिका का हारवर्ड के दिनों का साथी। - ലേഖികയുടെ ഹാർവാർഡ് പഠനകാലത്തെ സുഹൃത്ത്.

---

1. चरित्र चित्रण

राजा राम का चरित्र चित्रण

गगन गिल द्वारा लिखित संस्मरण 'दिल्ली में उनींदे' का मुख्य पात्र राजा राम है। वह दिल्ली की सड़कों पर ऑटो चलाने वाला एक गरीब और बेघर व्यक्ति है। उत्तर प्रदेश के उन्नाव जिले का रहने वाला राजा राम भुखमरी और बेघरी के कारण दिल्ली आया था। वह पिछले चौदह साल से अपनी ऑटो की तीन फीट लंबी पिछली सीट पर सोता है, जिसे वह अपना घर मानता है। शारीरिक रूप से वह बहुत कमज़ोर है और उसे दस-बारह साल से पुरानी खाँसी है, लेकिन गरीबी के कारण वह इलाज नहीं करवा पाता। इन विषम परिस्थितियों में भी वह बहुत विनम्र और संस्कारी है। लेखिका के घर जाने पर वह फर्श पर बैठना पसंद करता है ताकि सोफ़ा गंदा न हो जाए। उसकी ज़रूरतें बहुत कम हैं; उसके लिए दो वक्त की रोटी मिल जाना ही जीवन की सबसे बड़ी उपलब्धि है।

---

2. डायरी

राजा राम की डायरी

15 मार्च, 2026

बुधवार

आज का दिन मेरे जीवन के बाकी दिनों से बहुत अलग था। आज मैं उस मैडम के घर गया था जिन्होंने मेरा इंटरव्यू लिया। जब उन्होंने मुझे सोफ़े पर बैठने को कहा, तो मैं डर गया कि मेरे गंदे कपड़ों से उनका सोफ़ा खराब न हो जाए, इसलिए मैं फर्श पर ही बैठ गया। मैंने उन्हें अपनी बीमारी, और गरीबी के बारे में बताया। उन्होंने बताया कि वे रेडियो पर मेरा प्रोग्राम सुनाएँगी। मुझे हैरानी हुई कि मुझ जैसे मामूली इंसान की कहानी भी कोई सुनना चाहता है। शायद दुनिया में अभी भी कुछ लोग हैं जो गरीबों का दुख समझते हैं। भगवान से यही प्रार्थना है कि हर दिन दो वक्त की रोटी मिलती रहे।

---

3. टिप्पणी

अन्न और भूख: एक विश्लेषण

'दिल्ली में उनींदे' संस्मरण में लेखिका गगन गिल समाज के दो चेहरों को दिखाती हैं। उनके अनुसार, एक ही शहर में दो अलग 'मौसम' होते हैं—अन्न और भूख। 'अन्न' का मतलब उन अमीर लोगों से है जिनके पास अच्छा घर, कपड़े और भोजन है। दूसरी ओर, 'भूख' का मौसम राजा राम जैसे गरीबों का है। उनके लिए प्रकृति की सुंदरता या बारिश का कोई महत्व नहीं है। उनकी पूरी शक्ति केवल दो वक्त की रोटी जुटाने में खर्च हो जाती है। लेखिका बताती हैं कि शहर एक ही है, लेकिन अमीरों और गरीबों की दुनिया बिल्कुल अलग है।

---

4. बातचीत

लेखिका और राजा राम के बीच बातचीत

लेखिका: नमस्ते राजा राम जी! क्या मैं आपके बारे में कुछ पूछ सकती हूँ?

राजा राम: नमस्ते मैडम। जी, ज़रूर पूछिए।

लेखिका: आप दिल्ली कब आए थे? आप यहाँ कहाँ रहते हैं?

राजा राम: मैडम, मैं 1979 में उन्नाव से यहाँ आया था। मेरा कोई घर नहीं है। पिछले 14 साल से यह ऑटो ही मेरा घर है। मैं इसकी पिछली सीट पर ही सोता हूँ।

लेखिका: आप बीमार लग रहे हैं, क्या हुआ है?

राजा राम: हाँ मैडम, मुझे 10-12 साल से खाँसी है। दवा के लिए मेरे पास पैसे नहीं हैं।

लेखिका: आपके पास अपनी क्या-क्या चीज़ें हैं?

राजा राम: बस ऑटो की सीट के नीचे एक छोटा बक्सा है। उसमें एक कंबल, एक कटोरा और एक जोड़ी कपड़ा है।

लेखिका: आपके लिए सबसे अच्छा दिन कौन-सा होता है?

राजा राम: मैडम, जिस दिन मुझे दो समय का खाना मिल जाए, वही मेरे लिए सबसे अच्छा दिन है।

5. पटकथा

दृश्य : एक

स्थान : लेखिका का घर

समय: सुबह 10 बजे

पात्र: लेखिका, (लगभग 40 वर्ष) सलवार-कमीज़ पहन रखा था।

राजा राम, (लगभग 40 वर्ष) एक बहुत ही पुराना और गंदा स्वेटर पहन रखा था।

दृश्य का विवरण: लेखिका गगन गिल का सुंदर और साफ़ कमरा। लेखिका हाथ में रिकॉर्डर लेकर बैठी हैं। राजा राम सोफ़े पर बैठने के बजाय फर्श पर बैठ जाता है। लेखिका उसे चाय देती हैं।

संवाद:

लेखिका: नमस्ते राजा राम जी! क्या मैं आपके बारे में कुछ पूछ सकती हूँ?

राजा राम: नमस्ते मैडम। जी, ज़रूर पूछिए।

लेखिका: आप दिल्ली कब आए थे? आप यहाँ कहाँ रहते हैं?

राजा राम: मैडम, मैं 1979 में उन्नाव से यहाँ आया था। मेरा कोई घर नहीं है। पिछले 14 साल से यह ऑटो ही मेरा घर है। मैं इसकी पिछली सीट पर ही सोता हूँ।

लेखिका: आप बीमार लग रहे हैं, क्या हुआ है?

राजा राम: हाँ मैडम, मुझे 10-12 साल से खाँसी है। दवा के लिए मेरे पास पैसे नहीं हैं।

लेखिका: आपके पास अपनी क्या-क्या चीज़ें हैं?

राजा राम: बस ऑटो की सीट के नीचे एक छोटा बक्सा है। उसमें एक कंबल, एक कटोरा और एक जोड़ी कपड़ा है।

लेखिका: आपके लिए सबसे अच्छा दिन कौन-सा होता है?

राजा राम: मैडम, जिस दिन मुझे दो समय का खाना मिल जाए, वही मेरे लिए सबसे अच्छा दिन है।